

**भोजपुर** पुं. (तद्.) बिहार राज्य का एक हिस्सा टि. बिहार के अतिरिक्त वाराणसी और उसके आस-पास का इलाका भी भाषाई दृष्टि से भोजपुर में गिना जाता है।

**भोजपुरी** स्त्री. (तद्.) 1. भोजपुर क्षेत्र में बोली जाने वाली हिंदी की एक बोली 2. भोजपुर क्षेत्र का निवासी।

**भोजराज** पुं. (तत्.) 11वीं शती ईस्वी के प्रसिद्ध संस्कृत विद्वान जो वीरता, विद्वता, गुणग्राहकता तथा दानशीलता के लिए विख्यात अनेक विषयों पर अनेक ग्रंथों के रचयिता भी थे।

**भोजविद्या** स्त्री. (तत्.) जादूगरी, हैरान करने वाले करतब, जिनको समझना कठिन होता है 2. हाथ की सफाई से ऐसे कार्य अंजाम देना कि व्यक्ति चकित रह जाए, इंद्रजाल।

**भोजशाला** स्त्री. (तत्.) वह स्थान जहाँ भोजन बनाया भी जाता है तथा भोजन खाया भी जाता है।

**भोज्य** वि. (तद्.) खाने योग्य, जो खाया जा सके।

**भोट** पुं. (देश.) भूटान, तिब्बत अथवा लद्दाख के निवासी, मोटा, भोटिया टि. उत्तराखंड में, काम-काज के लिए, आने वाले इन प्रदेशों के व्यक्ति भोट कहलाते हैं, अधिकांश लोग मजदूरी करते हैं, इसलिए स्थानीय तौर पर भोट का अर्थ मजदूर भी हो गया।

**भोटिया** पुं. (तत्.) 1. कुमाऊँ क्षेत्र (उत्तराखंड) की उपजाति जिसका भोट देश (तिब्बत) से दीर्घकालीन व्यावसायिक संबंध रहा 2. उक्त उपजाति का व्यक्ति स्त्री. उक्त उपजाति की भाषा/बोली।

**भोडर** पुं. (देश.) अभ्रक या अभ्रक का चूर्ण।

**भोथरा** वि. (देश.) कुंठित धार वाला शस्त्र आदि।

**भोना** अ.क्रि. (देश.) 1. किसी द्रव आदि के बूँदों आदि का अंदर पहुँचकर व्याप्त होना या मिल जाना, भीगना, डूबना, निमग्न होना 2. किसी

बात/काम में लीन होना 3. रँग जाना 4. आसक्त होना 5. धोखे में आ जाना 6. युक्त होना या मिलना स.क्रि. 1. भीगोना 2. लिप्त करना, अनुरक्त करना 3. मिलाना 4. धोखे में डालना।

**भोयौ** वि. (देश.) 1. भीगा हुआ 2. डुबाया हुआ, निमग्न।

**भोपा** पुं. (देश.) झाड़-फूँक करने वाला, ओझा।

**भोभीत** स्त्री. (देश.) संसार में बार-बार जन्म-मरण का भय।

**भोर** पुं. (देश.) प्रभात, सबेरा, तड़का।

**भोर** पुं. (तद्.) भ्रम, धोखा वि. (देश.) 1. भोला, सीधा-सादा 2. विमुग्ध या विभोर पुं. (देश.) 1. भुलावा, धोखा 2. त्रुटि, भूल।

**भोरतरैयाँ** पुं. (देश.) प्रातःकाल के तारे।

**भोरा** वि. (देश.) भोला पुं. भूल-चूक, त्रुटि।

**भोराई** स्त्री. (देश.) 1. भोलापन 2. भूल-चूक, त्रुटि 3. धोखा, भुलावा 4. भ्रम, भ्रांति।

**भोराना** स.क्रि. (देश.) भ्रम में डालना, धोखे में डालना, भुलावा देना अ.क्रि. 1. भ्रम में पड़ना, धोखे में आना, भुलावे में आना 2. भोला-भाला बनना।

**भोरानाथ** पुं. (देश.तत्.) भोलानाथ, शिव, महादेव।

**भोरापन** पुं. (देश.) भोलापन, सीधापन।

**भोरि** वि. (देश.) भोली क्रि.वि. 1. भुलावा देकर, भ्रमित करके।

**भोरी** वि. (देश.) भोली-भाली, सीधी-सादी उदा. सुनहु सूर हम भोरी-भारी सुरसागर (10/1324)।

**भोरी-भोरी** वि. (देश.) बहुत भोली, भोली-भोली उदा. थोरी-थोरी सकुचि सौ, भोरी-भोरी बात-बिहारी (522)।

**भोरु** पुं. (देश.) प्रभात, सबेरा।

**भोरे** वि. (देश.) भोले, भोले-भाले।

**भोरें** क्रि.वि. (देश.) भोलेपन से या धोखे से।